जनवाचन आंदोलन

बाल पुस्तकमाला

दिल को छू लेने वाली एक मार्मिक कहानी। एक संवेदनशील लड़के और उसके प्रिय लाल गुब्बारे की अमर दोस्ती की दास्तां। परन्तु यह दोस्ती कुछ बदमाश लड़कों को पसंद नहीं आती। बाद में क्या होता है .... जानने के लिए आगे पढ़ें। इस कहानी पर आधारित एक सुंदर फिल्म भी बनी है।

A very poignant tale of the friendship between a lonely boy and a red balloon. The boy and the red balloon have great fun! But some wretched boys don't like this friendship. What follows .... ? This story has been made into a very beautiful film.

भारत ज्ञान विज्ञान समिति

सहयोग राशिः 12 रुपये

लाल गुब्बारा

एल्बर्ट लैमोरिस

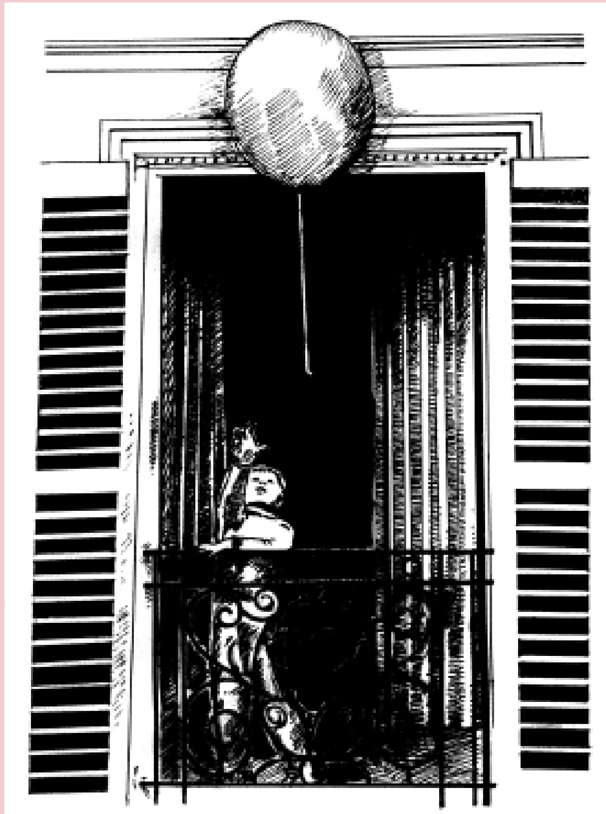

The Red Balloon

Albert Lamorisse

इस किताब का प्रकाशन भारत ज्ञान विज्ञान समिति ने देश भर में चल रहे साक्षरता अभियानों में उपयोग के लिए किया गया है। जनवाचन आंदोलन के तहत प्रकाशित इन किताबों का उद्देश्य गाँव के लोगों और बच्चों में पढ़ने-लिखने की रुचि पैदा करना है।

लाल गुब्बारा: ***एल्बर्ट लैमोरिस***
The Red Balloon: Albert Lamorisse
हिन्दी अनुवाद: अरविन्द गुप्ता

जनवाचन के तहत
भारत ज्ञान विज्ञान समिति द्वारा प्रकाशित

पुन: चित्रांकन: अविनाश देशपांडे
ग्राफिक्स: अभय कुमार झा

प्रकाशन वर्ष: मार्च, 2005

सहयोग राशि: 12 रुपये

Published by Bharat Gyan Vigyan Samiti
Basement of Y.W.A., Hostel No. II, G-Block,
Saket, New Delhi - 110 017
Phone : 011- 26569943, 26569773
Fax : 011- 26569773
email: bgvs@vsnl.net

लाल गुब्बारा

एल्बर्ट लैमोरिस

The Red Balloon

Albert Lamorisse

बहुत पुरानी बात है। पैरिस में पास्कल नाम का लड़का रहता था। उसका कोई भाई-बहन नहीं था। घर में बिल्कुल अकेले होने से वो बहुत उदास रहता था।

ऊब से बचने के लिए पास्कल कभी किसी खोई हुई बिल्ली को घर वापिस ले आता। तो कभी सड़क पर घूम रहे किसी लावारिस कुत्ते को पकड़ कर ले लाता। पास्कल की मां को इन आवारा और गंदे जानवरों से बेहद नफरत थी। वो उन्हें घर से बाहर निकाल देतीं। इससे पास्कल अपनी मां के साफ-सुंदर घर में, फिर से अकेला पड़ जाता।

एक दिन स्कूल जाते वक्त पास्कल को एक सुंदर लाल रंग का गुब्बारा दिखाई पड़ा। गुब्बारा, बिजली के खम्बे से बंधा था। गुब्बारे को देखते ही पास्कल अपने बस्ते को सड़क पर पटककर, झट से खम्बे पर चढ़ गया। फिर गुब्बारे की डोर खोलकर वो बस स्टाप की ओर दौड़ा।

Once upon a time in Paris there lived a little boy whose name was Pascal. He had no brothers or sisters and he was very sad and lonely at home.

Once he brought home a lost cat, and some time later a stray puppy. But his mother said animals brought dirt into the house, and so Pascal was soon alone again in his mother's clean well-kept rooms.

Then one day, on his way to school, he caught sight of a fine red balloon, tied to a street lamp. Pascal laid his schoolbag on the ground. He climbed up the lamp post, untied the balloon, and ran off with it to the bus stop.

पर बस कंडक्टर को सभी नियम-कानून रटे थे। उसने कहा, "बस में कुत्ते, भारी सामान और गैस के गुब्बारे ले जाना सख्त मना है। जिनके पास कुत्ते हैं, उन्हें चलकर जाना होगा। भारी सामान वालों को टैक्सी लेने होगी। और जिनके पास गैस का गुब्बारा हो उन्हें उसे छोड़ कर ही सफर करना होगा।"

But the conductor knew the rules. "No dogs," he said. "No large packages, no balloons."

People with dogs walk.

People with packages take taxis.

People with balloons leave them behind.

Pascal did not want to leave his balloon behind, so the conductor rang the signal bell and the bus went on without him.

पास्कल ने अपने गुब्बारे को कसकर पकड़ रखा था। वो किसी भी कीमत पर उसे छोड़ने को तैयार नहीं था। तभी कंडक्टर ने घंटी बजाई और बस पास्कल को स्टैंड पर खड़ा छोड़कर आगे बढ़ गई।

स्कूल काफी दूर था। पैदल चलने के अलावा पास्कल के पास और कोई चारा भी नहीं था। पास्कल के पहुंचने तक स्कूल का गेट बंद हो चुका था। तब उसे एक तरकीब सूझी। बाहर स्कूल का चौकीदार झाड़ू लगा रहा था। पास्कल ने अपने लाल गुब्बारे को चौकीदार की निगरानी में छोड़ दिया। पास्कल हमेशा स्कूल समय पर ही पहुंचता था। देरी से पहुंचने का यह पहला मौका था। इसलिए पास्कल को कोई डांट नहीं पड़ी।

Pascal's school was a long way off, and when he finally reached the school door it was already shut. To be late for school and with a balloon—that was unheard of! Pascal was very worried.

Then he had an idea. He left his balloon with the janitor, who was sweeping the yard. And since it was the first time that he had ever been late, he was not punished.

स्कूल खत्म हुआ। चौकीदार ने लाल गुब्बारे को अपने कमरे में सुरक्षित रखा था। उसने गुब्बारा पास्कल को लौटा दिया।

तभी बारिश शुरू हो गई। क्योंकि बस में गैस के गुब्बारे को लेकर सफर करना मना था इसलिए पास्कल घर की ओर पैदल ही चला। वो नहीं चाहता था कि उसका गुब्बारा भीगे।

इसलिए उसने एक बूढ़े आदमी से छतरी के नीचे छिपने की पनाह मांगी। किसी तरह पास्कल एक छतरी से दूसरी छतरी के नीचे लुकता-छिपता घर पहुंचा।

When school was over, the janitor, who had kept the balloon in his room for Pascal, gave it back to him.

But it had begun to rain. And Pascal had to walk home because of those silly rules about balloons on buses. But he thought the balloon shouldn't get wet.

There was an old gentleman just going by, and Pascal asked him whether he and the balloon could take shelter under his umbrella. So, from one umbrella to another, Pascal made his way home.

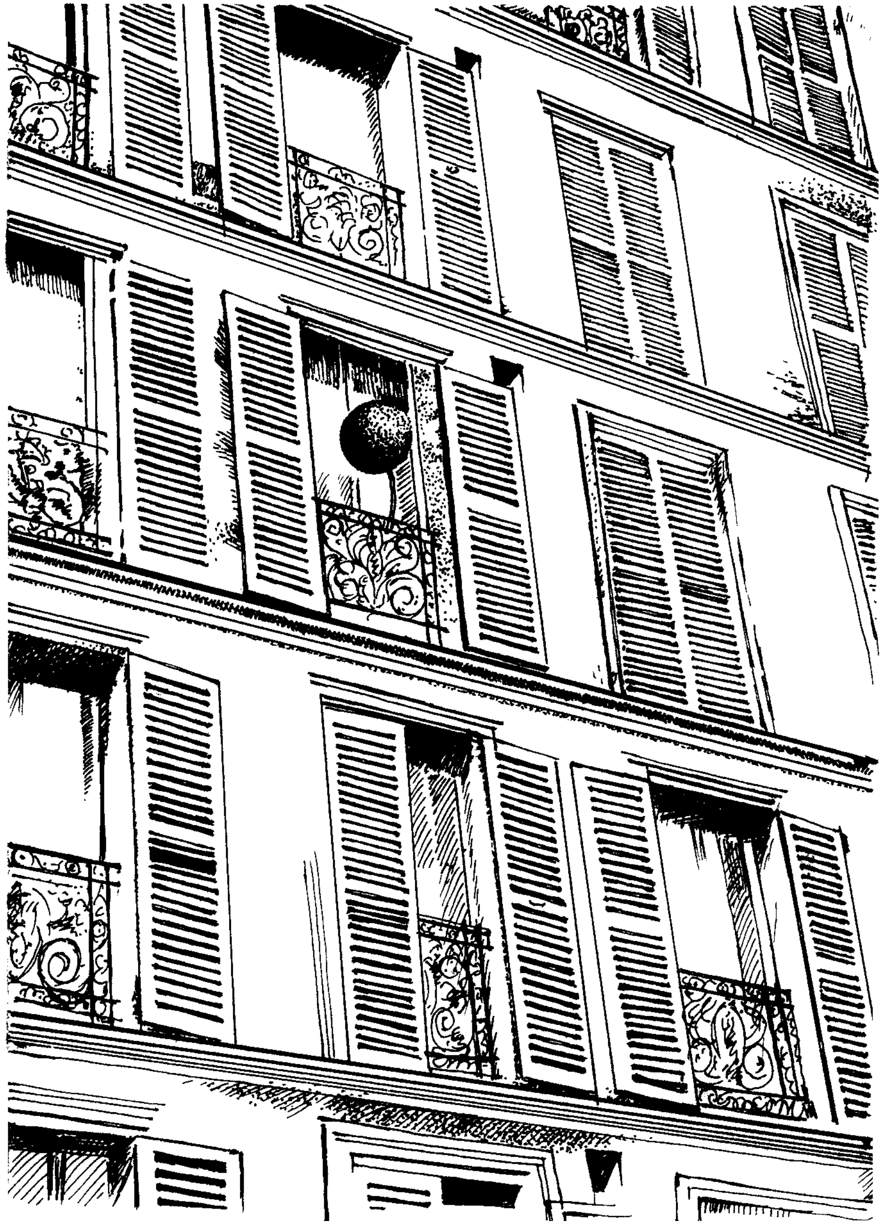

मां, पास्कल को देखकर खुश तो हुई। पर जब उसे देरी से घर लौटने का कारण पता चला तो उसे लाल गुब्बारे पर बहुत गुस्सा आया। मां ने गुस्से में गुब्बारे को छीनकर खिड़की के बाहर फेंक दिया।

His mother was glad to see him finally come home. But since she had been very worried, she was angry when she found out that it was a balloon that had made Pascal late. She took the balloon, opened the window, and threw it out.

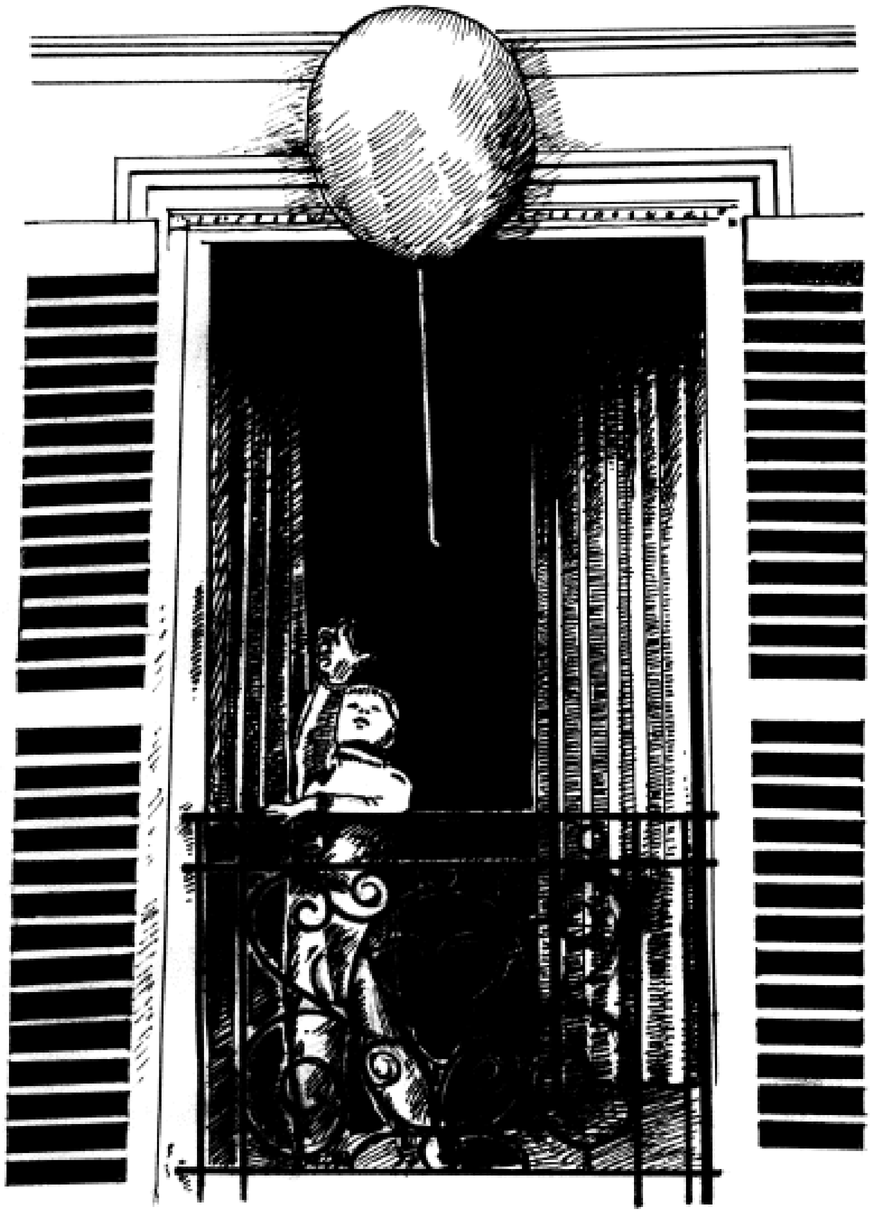

अगर गैस के गुब्बारे को छोड़ा जाए तो वो हवा में उड़ जाता है। पर पास्कल का गुब्बारा खिड़की के बाहर ही लटका रहा। पास्कल और गुब्बारा एक-दूसरे को, खिड़की के कांच में से टकटकी लगाए देखते रहे। गुब्बारा उड़ कर कहीं गया नहीं, यह देखकर पास्कल को आश्चर्य हुआ। अच्छे मित्र आपके लिए कुछ भी करेंगे। हां, अगर दोस्त कोई गुब्बारा हो तो वो उड़ कर नहीं जाएगा। फिर पास्कल ने चुपके से खिड़की खोली और डोर को खींचकर गुब्बारे को अपने कमरे में छिपा दिया।

Now, usually when you let a balloon go, it flies away. But Pascal's balloon stayed outside the window, and the two of them looked at each other through the glass. Pascal was surprised that his balloon hadn't flown away, but not really as surprised as all that. Friends will do all kinds of things for you. If the friend happens to be a balloon, it doesn't fly away. So Pascal opened his window quietly, took his balloon back inside, and hid it in his room.

दूसरे दिन स्कूल जाने से पहले पास्कल ने गुब्बारे के बाहर निकलने के लिए खिड़की खोली। उसने जाते-जाते गुब्बारे से कहा, "जब मैं बुलाऊं तो मेरे पास फौरन वापिस आना।"

फिर पास्कल ने बस्ता उठाया, मां को पप्पी दी और सीढ़ियां उतर गया।

सड़क पर पहुंचते ही उसने आवाज लगाई, "गुब्बारे! गुब्बारे!" और गुब्बारे की डोर झट से उसके हाथ में आ गई।

फिर गुब्बारा पास्कल के पीछे-पीछे चलने लगा - उसी तरह जैसे कोई कुत्ता अपने मालिक के पीछे-पीछे चलता है।

पर पालतू कुत्तों की तरह ही इस गुब्बारे ने भी अपने मालिक का हरेक आर्डर नहीं माना। मिसाल के लिए जब पास्कल ने सड़क पार करने के लिए उसे पकड़ना चाहा, तो गुब्बारा उसकी पहुंच से दूर हो गया।

The next day, before he left for school, Pascal opened the window to let his balloon out and told it to come to him when he called.

Then he picked up his schoolbag, kissed his mother good-bye, and went downstairs.

When he reached the street he called: "Balloon! Balloon!" and the balloon came flying down to him.

Then it began to follow Pascal—without being led by a string, just as if it were a dog following its master.

But, like a dog, it didn't always do as it was told. When Pascal tried to catch it to cross the street, the balloon flew beyond his reach.

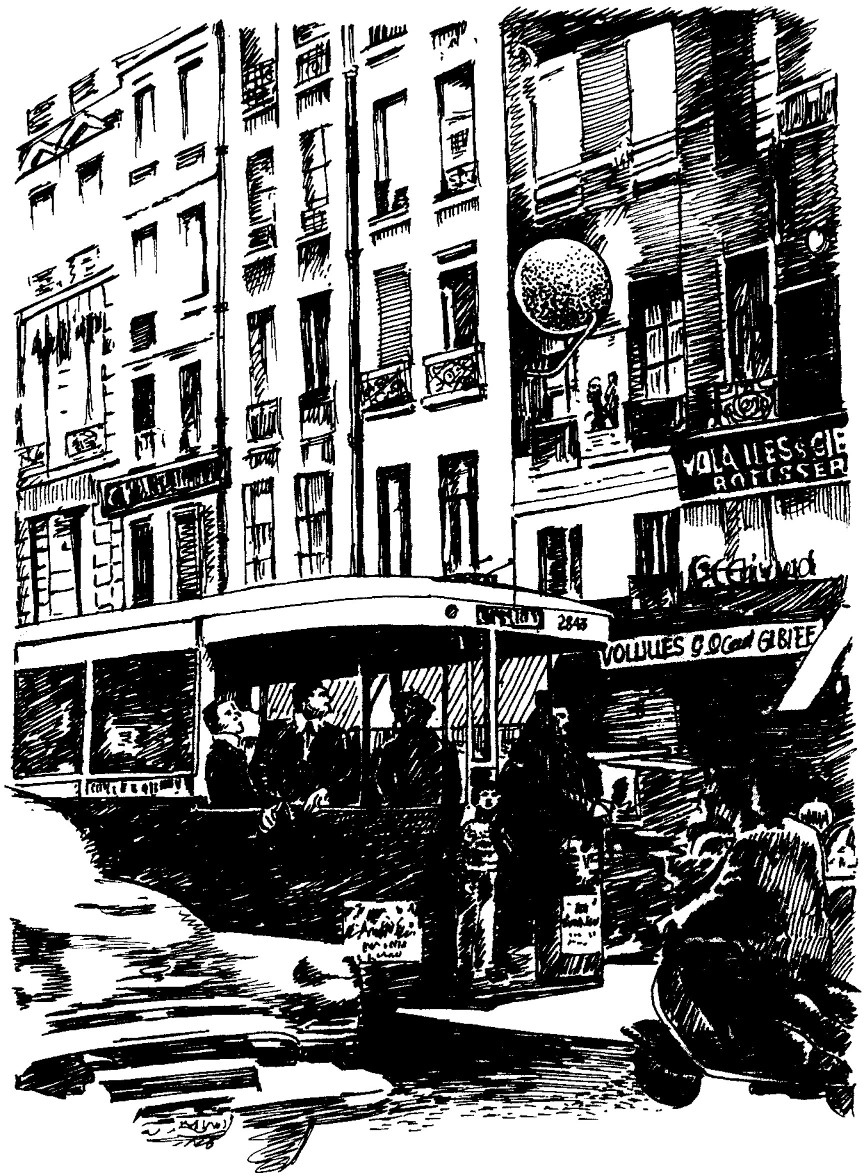

पास्कल ने अब गुब्बारे को अनदेखा किया। जैसे उसका गुब्बारे से कुछ लेना-देना ही न हो। फिर पास्कल चलते-चलते एक घर की आड़ में जाकर छिप गया। इससे गुब्बारे को चिंता होने लगी और वो झट से पास्कल के पास जा पहुंचा।

जब दोनों बस स्टाप पर पहुंचे तो पास्कल ने गुब्बारे से कहा, "मेरे पीछे-पीछे आना। बस को किसी हालत में छोड़ना नहीं, समझे।"

उस दिन पैरिस की सड़कों पर लोगों को एक अजीबो-गरीब नजारा देखने को मिला - उन्होंने बस के पीछे एक लाल गुब्बारे को भागते हुए देखा!

Pascal decided to pretend he didn't care. He walked up the street just as if the balloon weren't there at all and hid behind the corner of a house. The balloon got worried and hurried to catch up with him.

When they got to the bus stop, Pascal said to the balloon: "Now, balloon, you follow me. Don't lose sight of the bus!"

That was how the strangest sight came to be seen in a Paris street—a balloon flying along behind a bus.

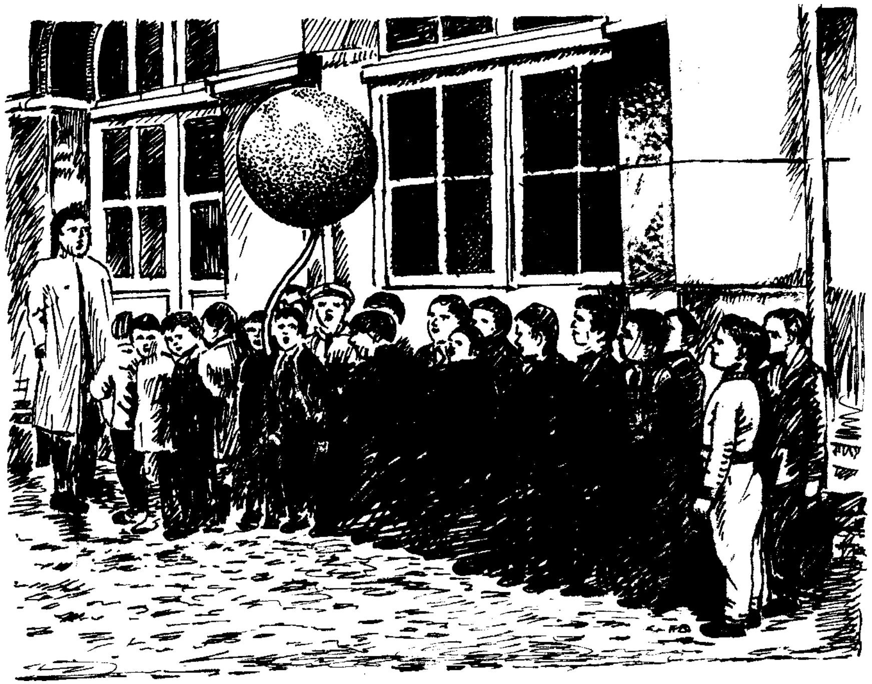

स्कूल पहुंचने के बाद गुब्बारे ने दुबारा पास्कल की पकड़ से दूर होने की कोशिश की। क्योंकि उस समय स्कूल की घंटी टन-टन बज रही थी और गेट भी बंद होने वाला था इसलिए पास्कल को स्कूल में अकेले ही जाना पड़ा। पर वो काफी चिंतित था।

तभी गुब्बारा स्कूल की दीवार के ऊपर उड़ा और बच्चों की कतार के पीछे जाकर हवा में लटक गया। मास्टर इस नए छात्र को देखकर पहले तो कुछ आश्चर्यचकित हुए। परंतु जब गुब्बारे ने क्लास में घुसने की कोशिश की तो बच्चों ने बहुत शोर मचाया। शोर के मारे बेचारे हेड-मास्टर मामले की जांच के लिए दौड़े हुए आए।

हेड-मास्टर ने दरवाजे के बाहर धकेलने के लिए गुब्बारे को पकड़ने की चेष्टा की। परंतु तमाम कोशिशों के बावजूद हेड-मास्टर इसमें नाकामयाब रहे। अंत में उन्होंने पास्कल का हाथ पकड़ा और उसे घसीटते हुए बाहर ले गए। यह देख गुब्बारा भी कक्षा के बाहर निकल आया और उनके पीछे-पीछे हो लिया।

When they reached Pascal’s school, the balloon again tried not to let itself be caught. But the bell was already ringing and the door was just about to close, so Pascal had to hurry in alone. He was very worried.

But the balloon flew over the school wall and got in line behind the children. The teacher was very surprised to see this strange new pupil, and when the balloon tried to follow them into the classroom, the children made so much noise that the principal came along to see what was happening.

The principal tried to catch the balloon to put it out the door. But he couldn’t. So he took Pascal by the hand and marched him out of school. The balloon left the classroom and followed them.

इत्तिफाक से उसी समय हेड-मास्टर को किसी से मिलने के लिए टॉउन-हाल जाना था। उन्हें समझ में नहीं आया कि वो पास्कल और उसके गुब्बारे के साथ क्या करें। इसलिए उन्होंने पास्कल को अपने दफ्तर में बंद कर दिया। उन्होंने सोचा कि लाल गुब्बारा भी उनके दफ्तर के बाहर ही लटका रहेगा।

परंतु गुब्बारा भी काफी सोचने वाला था। जब गुब्बारे ने हेड-मास्टर को जेब में चाबी रखते हुए देखा, तो वो भी हेड-मास्टर के पीछे हो लिया।

सड़क पर हरेक आदमी हेड-मास्टर को पहचानता था। जब लोगों ने हेड-मास्टर के पीछे-पीछे एक लाल गुब्बारे को देखा तो वो कहने

The principal had urgent business at the Town Hall, and he didn't know what to do with Pascal and his balloon. So he locked the boy up inside his office. The balloon, he said to himself, would stay outside the door.

But that wasn't what the balloon's idea at all. When it saw that the principal had put the key in his pocket, it sailed along behind him as he walked down the street.

All the people knew the principal well, and when they shook their heads and said: "The principal's playing a joke. It isn't right; a principal should be dignified, he shouldn't be playing like one of the boys in his school."

लगे, "जरूर हेड-मास्टर कोई खेल-खिलवाड़ कर रहे हैं। बुढ़ापे में ऐसी शैतानी उन्हें शोभा नहीं देती!"

बेचारे हेड-मास्टर ने गुब्बारे को लपकने, पकड़ने के तमाम प्रयास किए। लेकिन गुब्बारा उनके हाथ नहीं आया। टॉउन-हाल के बाहर गुब्बारा उनका इंतजार करता रहा। जब हेड-मास्टर स्कूल के लिए वापिस चले, तो गुब्बारा भी उनके पीछे हो लिया।

गुब्बारे से अपना पिंड छुड़ाने के लिए हेड-मास्टर को झक मारकर पास्कल को छोड़ना पड़ा।

The poor man tried very hard to catch the balloon, but he couldn't, so there was nothing for him to do but put up with it. Outside the Town Hall the balloon stopped. It waited for him in the street, and when the principal went back to school the balloon was still behind him.

The principal was only too glad to let Pascal out of his office and to be rid of him and his balloon.

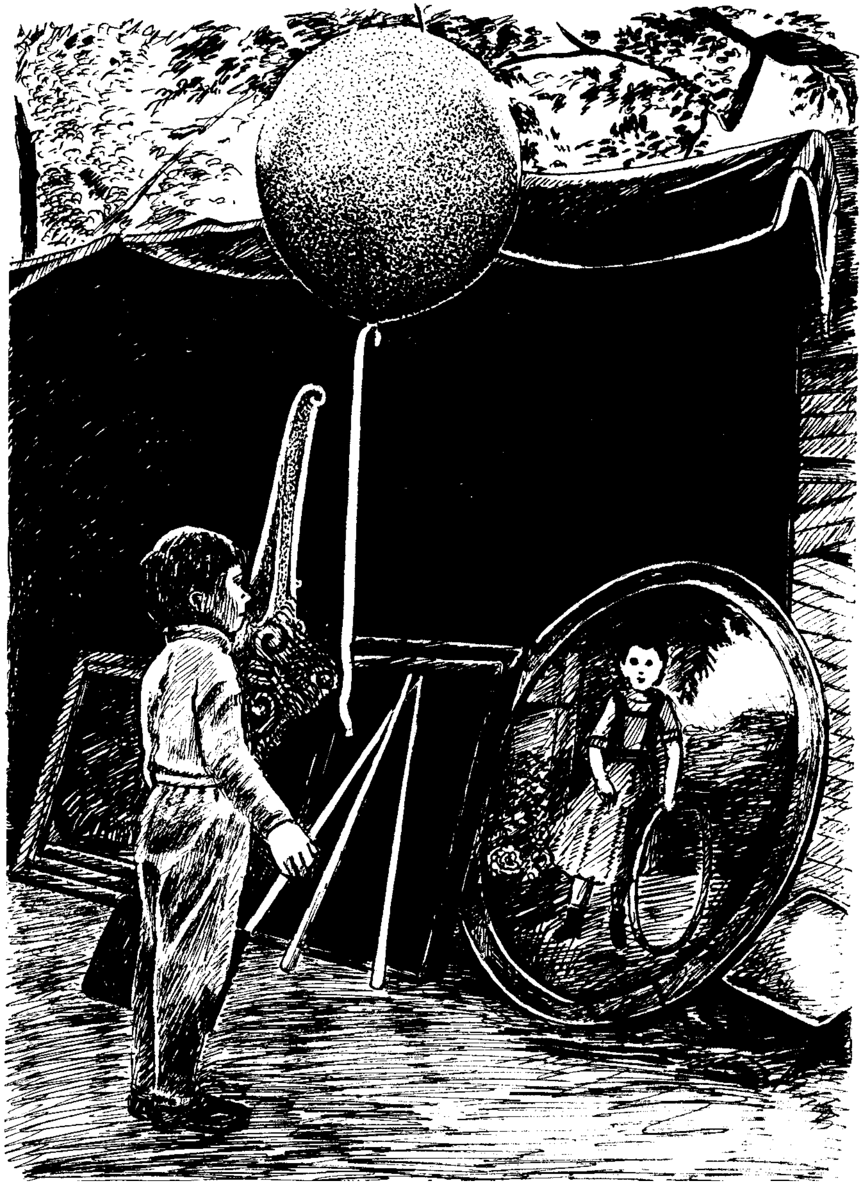

घर जाते हुए पास्कल को सड़क पर लगी प्रदर्शनी में एक फोटो दिखा। फोटो में एक लड़की हाथ में पहिया पकड़े हुए थी। पास्कल सोचने लगा, 'कहीं ऐसी दोस्त मिल जाए, तो फिर तो मजा ही आ जाए।'

On the way home Pascal stopped to look at a picture in a sidewalk exhibit. It showed a little girl with a hoop. Pascal thought how nice it would be to have a friend like that little girl.

कुछ दूर चलने के बाद सचमुच में उसकी मुलाकात एक छोटी लड़की से हुई। लड़की का चेहरे उस फोटो से काफी मिलता-जुलता था। लड़की एक सफेद फ्रॉक पहने थी और उसके हाथ में एक गुब्बारे की डोर थी।

पास्कल उस लड़की को अपना जादुई गुब्बारा दिखाना चाहता था। पास्कल ने गुब्बारे को पकड़ने की बहुत कोशिश की। परंतु गुब्बारा पास्कल की पकड़ में नहीं आया। यह देखकर लड़की खिलखिलाकर हंसने लगी।

But just at that moment he met a real little girl, looking just like the one in the picture. She was wearing a pretty white dress, and she held in her hand the string ... to a balloon!

Pascal wanted to be sure she noticed that his balloon was a magic one. But his balloon wouldn't be caught and the little girl began to laugh.

इससे पास्कल को गुस्सा आया। "जो कहना न माने ऐसे गुब्बारे के साथ कैसी दोस्ती?" वो सोचने लगा। इतने में कुछ पड़ोस के बदमाश लड़के गुब्बारा पकड़ते हुए वहां आ पहुंचे। उन्होंने पास्कल के पीछे चलते गुब्बारे को पकड़ने की कोशिश की। जैसे ही गुब्बारे को कुछ खतरा महसूस हुआ वो तुरंत पास्कल के पास जा पहुंचा। पास्कल गुब्बारे की डोर पकड़ कर दौड़ने लगा। पर तभी दूसरी ओर से कुछ और गुंडों ने उसे आकर उसे घेरा।

पास्कल ने गुब्बारा छोड़ दिया। गुब्बारा आसमान में ऊंचा उठ गया। जब लड़के आसमान को ताक रहे थे तभी वो उनके बीच से दौड़कर सीढ़ियों के ऊपर चढ़ गया। वहां से उसने गुब्बारे को बुलाया। गुब्बारा तुरंत पास्कल के पास आ गया। यह देख उन लड़कों को काफी अचरज हुआ।

इस प्रकार किसी तरह बच-बचाकर पास्कल अपने गुब्बारे के साथ घर पहुंचा।

Pascal was angry. "What's the use of having a trained balloon if it won't do what you want?" he said to himself. At that very moment some of the tough boys of the neighborhood came by. They tried to catch the balloon as it trailed along behind Pascal. But the balloon saw the danger. It flew to Pascal at once. He caught it and began to run, but more boys came to corner him from the other side.

So Pascal let go of his balloon, which immediately rose high into the sky. While the boys were all looking up, Pascal ran between them to the top of the steps. From there he called his balloon, which came to him at once—to the great surprise of the boys in the gang.

So Pascal and his balloon got home without being caught.

अगला दिन इतवार था। चर्च जाने से पहले पास्कल ने गुब्बारे को कई हिदायतें दीं, "चुपचाप घर पर ही रुकना। कुछ तोड़-फोड़ मत करना। किसी भी हालत में बाहर नहीं जाना।" परंतु गुब्बारे के दिल में जो आया, उसने वही किया। पास्कल और उसकी मां चर्च में बैठे ही थे कि तभी उनके पीछे एक लाल रंग का गुब्बारा भी आकर बैठ गया।

भला चर्च में गुब्बारे का क्या काम! सब लोग गुब्बारे को घूरने लगे। पादरी के उपदेश पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। तब पास्कल को वहां से उठकर भागना पड़ा। उसके पीछे-पीछे चर्च का दरबान भी था। सचमुच गुब्बारा बहुत शरारती था। उससे पास्कल काफी परेशान था!

इस चिंता से पास्कल को भूख लग आई। उसकी जेब में एक सिक्का था। खाने के लिए पास्कल एक मिठाई की दुकान में घुस गया। जाते-जाते उसने गुब्बारे से कहा, "तमीज से रहना। मेरा इंतजार करना। कहीं चले मत जाना।"

The next day was Sunday. Before he left for church, Pascal told his balloon to stay quietly at home, not to break anything, and especially not to go out. But the balloon did exactly as it pleased. Pascal and his mother were hardly seated in church when the balloon appeared and hung quietly in the air behind them.

Now, a church is no place for a balloon. Everyone was looking at it and no one was paying attention to the service. Pascal had to leave in a hurry, followed out by the church guard. His balloon certainly had no sense of what was proper. Pascal had plenty of worries!

All this worry had made him hungry. And as he still had his coin for the collection plate, he went into a bakeshop for some cake. Before he went inside he said to the balloon: "Now be good and wait for me. Don't go away."

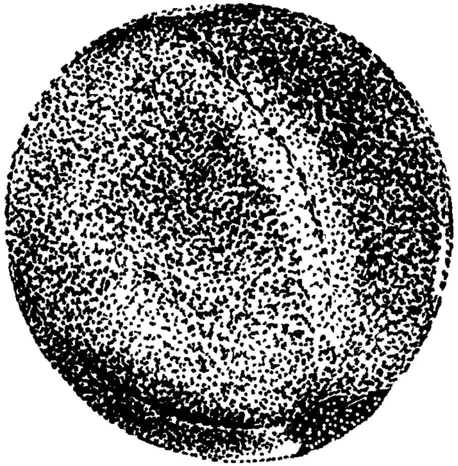

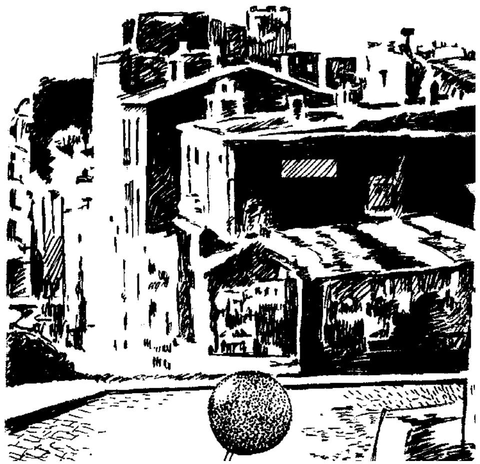

गुब्बारा कुछ देर तक तो दुकान के बाहर कोने में धूप सेंकता रहा। पर इस बीच में कल वाले बदमाश लड़कों ने उसे देख लिया। लड़कों को गुब्बारा पकड़ने का यह अच्छा मौका मिला। लड़के चुपके से, धीरे से गुब्बारे पर लपके और उसे लेकर रफूचक्कर हो गए।

जब पास्कल मिठाई की दुकान में से निकला तो गुब्बारा नदारद था। पास्कल इधर-उधर, सभी ओर आसमान को तलाशते हुआ दौड़ा। गुब्बारे ने दूसरी बार उसकी बात नहीं मानी थी! फिर मनमानी से गुब्बारा कहीं घूमने निकल गया था! पास्कल ने जोर-जोर से गुब्बारे को बुलाया। लेकिन गुब्बारा वापिस नहीं आया।

उन लड़कों ने गुब्बारे को एक मजबूत डोर से बांधा था और वो उसे कुछ करतब सिखा रहे थे। “हम इस जादुई गुब्बारे का सर्कस में प्रदर्शन करेंगे,” उनमें से एक ने कहा। उसने एक नुकीली डंडी गुब्बारे की ओर हिलाई “इधर आ! नहीं तो मैं तेरा पेट फोड़ दूंगा,” वो चिल्लाया।

The balloon was good, and only went as far as the corner of the shop to warm itself in the sun. But that was already too far. For the gang of boys who had tried to catch it the day before saw it, and they thought that this was the moment to try again. Without being seen they crept up to it, jumped on it, and carried it away.

When Pascal came out of the bakeshop, there was no balloon! He ran in every direction, looking up at the sky. The balloon had disobeyed him again! It had gone off by itself! And although he called at the top of his voice, the balloon did not come back.

The gang had tied the balloon to a strong string, and they were trying to teach it tricks. “We could show this magic balloon in a circus,” one of them said. He shook a stick at the balloon. “Come here or I’ll burst you,” he shouted.

अचानक दीवार के उस पार पास्कल को गुब्बारा दिखा। गुब्बारे के गले में एक भारी डोर बंधी थी। पास्कल ने गुब्बारे को पुकारा।

अपने मालिक की आवाज सुनते ही गुब्बारा पास्कल की ओर उड़ चला।

पास्कल ने गुब्बारे की डोर खोली और उसे लेकर तेज रफ्तार से दौड़ा।

लड़कों की की टोली से बच-बचाके पास्कल पतली गली से भागा।

As luck would have it, Pascal saw the balloon over the top of a wall, desperately dragging at the end of its heavy string. He called to it.

As soon as it heard his voice, the balloon flew toward him. Pascal quickly untied the string and ran off with his balloon as fast as he could run.

Pascal ran through narrow alleys, trying to lose the gang of boys.

लड़कों की टोली भी पास्कल को पकड़ने के लिए दौड़ी। लड़कों के शोर से आसपास के राहगीर तमाशा देखने के लिए रुक गए। ऐसा लगने लगा जैसे पास्कल ने ही उन गुंडों का गुब्बारा चुराया हो। पास्कल ने सोचा, "मैं अगर भीड़ में जाकर छिप भी जाऊं तो भी लाल गुब्बारा तो लोगों को दूर से दिखेगा ही ।"

लड़कों की टोली से बचने के लिए पास्कल एक जानी-पहचानी तंग गली में घुस गया।

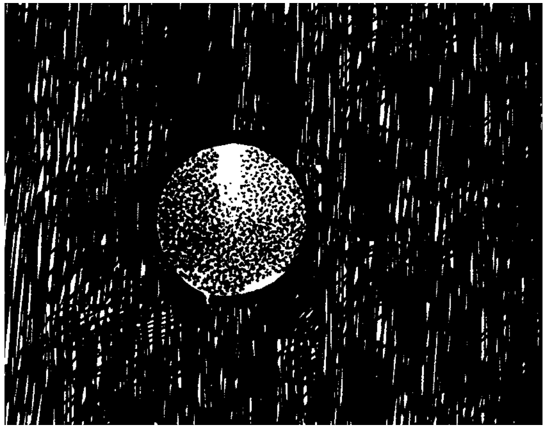

The boys raced after them. They made so much noise that everyone in the neighborhood stopped to watch the chase. It seemed as it Pascal had stolen the boys' balloon. Pascal thought: "I'll hide in the crowd." But a red balloon can be seen anywhere, even in a crowd.

Pascal ran through narrow alleys, trying to lose the gang of boys.

एक जगह लड़कों यह न पता चला कि पास्कल दाएं मुड़ा है या बाएं। इसलिए वे कई छोटी-छोटी टोलियों में बंट गए। एक क्षण के लिए पास्कल को लगा जैसे वो उन गुंडों से बच निकला है और वो सुस्ताने के लिए कोई जगह तलाशने लगा। किन्तु गली के नुक्कड़ पर ही वो उनमें से एक लड़के से जा टकराया, और उल्टे पांव लौट पड़ा। इसी बीच गली के दूसरे छोर पर गुंडों का एक पूरा गिरोह जमा हो चुका था। स्थिति गंभीर थी। अंत में पास्कल उस गली में घुसा जो एक खुले मैदान में निकलती थी। वहां उसे कुछ सुरक्षित लगा।

परंतु नहीं। वहां पर भी लड़कों के गिरोह ने उसे पूरी तरह घेर लिया।

At one point the boys didn't know whether Pascal had turned right or left so they split up into several groups. For a minute Pascal thought he had escaped them, and he looked around for a place to rest. But as he rounded a corner he bumped right into one of the gang. He ran back the way he had come, but there were more boys there. He was desperate—he ran up a side street which led to an empty lot. He thought he'd be safe there.

But suddenly boys appeared from every direction, and Pascal was surrounded.

पास्कल ने गुब्बारा छोड़ दिया। परंतु इस बार गुब्बारे को पकड़ने की बजाए बदमाशों ने पास्कल पर ही हमला बोला। दूर से जब लाल गुब्बारे ने यह नजारा देखा तो वो पास्कल के पास वापिस आया। फिर क्या था! लड़कों ने लाल गुब्बारे पर भी पत्थर बरसाना शुरू कर दिए।

"दौड़ो! गुब्बारे भागो!" पास्कल रोते हुए चीखा। परंतु गुब्बारे ने अपने प्रिय दोस्त को नहीं छोड़ा।

तभी किसी ने गुब्बारे पर एक नुकीला पत्थर फेंका जिससे लाल गुब्बारा फट गया।

So he let go of his balloon. But this time, instead of chasing the balloon, the gang attacked Pascal. The balloon flew a little way off, but when it saw Pascal fighting it came back. The boys began throwing stones at the balloon.

"Fly away, balloon! Fly away!" Pascal cried. But the balloon would not leave its friend.

Then one of the stones hit the balloon, and it burst.

जब पास्कल अपने मरे हुए गुब्बारे पर रो रहा था तभी एक अजीबो-गरीब घटना घटी!

आसमान में चारों ओर, सभी तरफ, गुब्बारों और गुब्बारों की कतारें उड़ती दिखाई दीं।

यह गुब्बारों की महान बगावत थी!

पैरिस के सारे गुब्बारे पास्कल के पास नाचते हुए आए। गुब्बारों ने अपनी-अपनी डोर को आपस में फंसा कर पास्कल के शरीर से बांध दिया। और सभी गुब्बारों ने आपस में मिलकर पास्कल को आसमान में बहुत ऊंचा उठाया।

While Pascal was crying over his dead balloon, the strangest thing happened!

Everywhere balloons could be seen flying up into the air and forming a line high into the sky.

It was the revolt of all captive balloons!

And all the balloons of Paris came down to Pascal, dancing around him, twisting their strings into one strong one and lifting him up into the sky.

और इस तरह पास्कल ने पूरी दुनिया का मजेदार सफर किया।

And that was how Pascal took a wonderful trip all around the world.